AS PER NEP

7

तनुश्री

हिंदी पाठ्यपुस्तक

उत्तर पुस्तिका

BESTWAY PUBLICATIONS

पाठ-1

अभ्यास

1. लिखित

   (क) प्रस्तुत कविता में कवि वीरों को हर प्रतियोगिता पर विजय प्राप्त कर आगे बढ़न के लिए प्रेरित कर रहा है।

   (ख) कवि ने वीरों को सूर्य और चंद्र की तरह आगे बढ़ने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि वे किसी भी परिस्थिति से भागते नहीं है बस प्रतिदिन आगे बढ़ते रहते हैं।

   (ग) ध्वज कभी भी इसलिए नहीं झुकना चाहिए क्योंकि ये हमारे देश का गौरव और सम्मान है।

   (घ) स्वयं करें।

2. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*ii*)

3. स्वयं करें।

4. प्रस्तुत का भावार्थ है कि वीरों हाथ में ध्वज लिए हुए और मन से प्रण किए हुए मातृ-पितृ भूमि के लिए बस आगे बढ़ना है उसके सम्मान की रक्षा करनी है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) पताका, झंडा (ख) कर, हस्त
   (ग) बहादुर, साहसी (घ) वचन, प्रतिज्ञा
   (ङ) पर्वत, गिर (च) शेर, केसरी
   (छ) धरती, जमीन (ज) रवि सूरज

2. (क) अशांति (ख) आसमान (ग) साहस (घ) दिन
   (ङ) हिंसा (च) आकाश (छ) श्याम (ज) सूरज

3. (क) ध् + व् + अ + ज् + अ
   (ख) अ + त् + इ + श् + अ + य् + अ
   (ग) न् + इ + ड् + अ + र् + अ
   (घ) प् + आ + र् + त् + अ
   (ङ) भ् + ऊ + म् + इ
   (च) म् + आ+ त् + अ + र्

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-2

अभ्यास

1. लिखित

   (क) कौए ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह इक्यावन उड़ाने जानता था।

   (ख) कौए ने अपनी उड़ाने इस प्रकार दिखाई- पहले वह एक मिनट के लिए वह ऊपर उड़ा और बोला, "यह हुई एक उड़ान।" फिरे नीचे आया और बोला, "यह दूसरी उड़ान।" फिर पत्ते-पत्ते पर उड़कर बैठा और बोला "यह तीसरी उड़ान।" बाद में एक पैर से दाहिनी तरफ़ उड़ा और बोला, "यह चौथी उड़ान।" फिर बाई तरफ उड़ा और बोला, "यह पाँचवीं उड़ान।" कौआ इस प्रकार अपनी उड़ाने दिखाता रहा।

   (ग) हंस के उड़ते समय कौआ पहले तो आगे था पर कुछ देर बाद पीछे रह गया क्योंकि उसमें हंस की तरह उड़ने की ताकत नहीं रही थीं। उसके पंख अब पानी छूने लगे थे।

   (घ) कौए को डूबता देख हंस को उसे बचाना पूर्ण रूप से उचित था। क्योंकि हर जीव का कर्तव्य है विपत्ति के समय सहायता करना।

2. (क) (*iii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*)

3. (क) कौए ने पहली उड़ान थोड़ा ऊपर उड़कर भरी।

   (ख) तीसरी उड़ान में कौवा पत्ते-पत्ते पर उड़कर भरी।

   (ग) हंस मन ही मन इसलिए हँस रहे थे कि क्योंकि कौवा घमंड में चूर था और बेकार की उड़ाने दिखा रहा था।

   (घ) नहीं, कौए को कोई इक्यावन प्रकार की उड़ान नहीं आती थी वह बस घमंडी था।

4. (क) उसके पंख अब पानी छूने लगे थे अर्थात् कौए के प्राण निकलने को हो गए थे।

   (ख) उस दिन से कौआ समझ गया कि उसकी बिसात कितनी है अर्थात् उसकी औकात कितनी है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) आकाश, नभ (ख) प्रत्यनए अभ्यास
   (ग) सरोवर, तालाब (घ) जल, नीर
   (ङ) सुबह, प्रातः (च) खत, लहू
   (छ) रात्रि, निशा (ज) सागर, समुंदर
2. (क) विनम्र (ख) सवाल (ग) उठना (घ) बचाना
   (ङ) सफेद (च) बुद्धिमान
3. स्वयं करें।
4. स्वयं करें।
5. (क) भैया जातिवाचक संज्ञा (ग) कौआ व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (घ) उड़ान भाववाचक संज्ञा (ङ) पंख व्यक्तिवाचक संज्ञा

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-3

अभ्यास

1. लिखित
   (क) दीवान पद के उम्मीदवार के चयन के लिए शर्तें रखी गई कि ये ग्रेजुएट हो यह जरूरी नहीं, मगर हष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। एक महीने तक उम्मीदवारों के रहन-सहन, आचार-विचार की देखभाल की जाएगी। विद्या का कम परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा।
   (ख) विज्ञापन के छपते ही सब ओर हलचल इसलिए मच गई क्योंकि पद बहुत ऊँचा था। परंतु किसी प्रकार की कैद नहीं। केवल नसीब का खेल था।
   (ग) उम्मीदवारों के व्यवहार में एकाएक परिवर्तन इसलिए देने लगा क्योंकि सभी उस दिवान पद को प्राप्त करना चाहते थे।
   (घ) जानकीनाथ को कुछ लोग आदर से इसलिए देख रहे थे क्योंकि उसमें दीवान पद के योग्य सभी गुण थे। जबकि कुछ लोग ईर्ष्या से इसलिए देख रहे थे क्योंकि वे लोग पद प्राप्त नहीं कर पाए थे।
2. (क) (*i*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*) (घ) (*iii*)

3. (क) पंक्ति से आशय है कि किसी प्रकार की कोई गलती न हो जाए और बिना बात ही बुढ़ापे में बुराई मिले।

(ख) बूढ़ा दीवान उम्मीदवारों के समूह एक उच्च दीवान को खोज रहा था।

(ग) मेहनत करने पर ही सफलता मिलती है। जैसे गहरे पानी में उतरने पर ही मोती प्राप्त होता है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) देश राज्य (ख) धनी धनवान
   (ग) मशहूर विख्यात (घ) दास सेवक
   (ङ) नव नवीन (च) जल नीर
2. (क) शहरी (ख) अनुभवहीन (ग) अमान्य (घ) अनपढ़
   (ङ) अविख्यान (च) नास्तिक (छ) ढोंगी (ज) रोना
3. (क) क्या! (ख) अरे! (ग) छिः! छिः! (घ) अरे!
   (ङ) हे! (च) अरे!
4. (क) ही (ख) तो (ग) तक (घ) भी
   (ङ) न
5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-4

अभ्यास

1. लिखित

(क) रोहन बहुत प्यारा और परिश्रमी लड़का था।

(ख) रोहन ने गणित के परचे में कैल्क्यूलेटर इस्तेमाल किया था, सबकी आँख बचाकर इंग्लिश के परचे में भी दस नंबर की नकल की थी।

(ग) रोहन अमित को विद्यालय लाने के लिए उसके घर गया।

(घ) अमित ने स्कूल जाने की दरख्वास्त इसलिए लगाई क्योंकि वह फीस जमा नहीं करा पा रहा था।

(ङ) छमाही परीक्षा में अमित से आगे रहने के बाद रोहन इसलिए उदास था क्योंकि अमित के रहते सौ में से पैंसठ नंबर आते थे, तब जाकर रोहन की दूसरी रैंक बनती थी और अब उसके चले जाने पर बासठ फीसदी नंबर आते थे।

(च) पहली रैंक लाने के बाद भी रोहन चाहता था कि अमित वापस आ जाए ऐसा इसलिए अमित बहुत मेहनती और ईमानदार लड़का था।

(छ) उधार शब्द का संबंध किसी व्यक्ति का दिए गए धन, रुपये से है जो कुछ समय सीमा के लिए लिया-दिया जाता है। जबकि उपकार का अर्थ किसी की सहायता करना परंतु बदले किसी प्रकार की इच्छा न करना।

2. (क) (*i*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*)
3. स्वयं करें।
4. झूठ और धोखे से प्राप्त किया गया पद या दरज़ा पूर्ण रूप से बेकार होता है क्योंकि जो आनंद और उत्साह मेहनत से प्राप्त होता है वह धोखे और फरेब में कहा।

भाषा-ज्ञान

1. (क) प्रथम (ख) मुबाकरबाद (ग) परीक्षा (घ) कक्षा
   (ङ) चतुर (च) हस्ताक्षर
2. (क) मासिक (ख) तिमाही (ग) छमाही (घ) वार्षिक
3. स्वयं करें।
4. (क) थोड़ा-सा – अनिश्चय परिमाणवाचक विशेषण
   (ख) ईमानदार – सार्वनामिक विशेषण
   (ग) तीस – संख्यावाचक विशेषण
   (घ) थोड़ा-सा – गुणवाचक विशेषण
5. स्वयं करें।
6. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-5

अभ्यास

1. लिखित

(क) रोजगार की खोज में निकलते समय पिता ने वंशीधर को समझाया कि बेटे! घर की दुर्दशा देख रहे हो। ऋण के बोझ से दबे हुए है। लड़कियाँ विवाह योग्य हो गई हैं।

नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना। ऐसा काम ढूँढना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। अपरी आय बहता हुआ स्त्रोत है जिससे सदैव प्यास बुझती है।

(ख) 'पंडित अलोपीदीन का लक्ष्मी पर अखंड विश्वास था।' इस पंक्ति से आशय है कि न्याय और नीति सब लक्ष्मी के ही खिलौने हैं, इन्हें वे जैसा चाहती हैं, नचाती हैं।

(ग) अदालत में प्रत्येक मनुष्य अलोपदीन से सहानुभूति इसलिए प्रकट कर रहा था कि ऐसा मनुष्य जिसके पास अगाध धन हो, वह क्यों कानून के पंजे में आया।

(घ) न्यायालय से बाहर निकलते समय वंशीधर को चारों ओर से व्यंग्य बाणों को सहना पड़ा और अनुभव हुआ कि न्याय और विद्वत्ता लंबी-चौड़ी उपाधियाँ, बड़ी-बड़ी दाढ़ियाँ और ढीले चोगे-एक भी सच्चे आदर के पात्र नहीं है।

(ङ) बूढ़े मुंशी जी ने अपने घर पर पंडित अलोपदीन का स्वागत दौड़कर किया। झुककर दंडवत की और लल्लो-चप्पो करने लगे। उनका लड़का ईमानदार था। इस बात से उन्हें ग्लानि हो रही थी।

(च) अलोपीदीन वंशीधर को अपनी सारी ज़ायदाद का स्थायी मैनेज़र इसलिए नियुक्त करना चाहते थे क्योंकि वंशीधर कर्त्तव्य परायण और ईमानदार था।

(छ) स्वयं करें।

2. (क) (*i*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*) (घ) (*i*)

3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

4. (क) वंशीधर ने धन से बैर लिया था।

(ख) वंशीधर की मुअत्तली की खबर सुनकर बूढ़े पिताजी ने सिर पीट लिया। बोले-जी चाहता है तुम्हारा और अपना सिर फोड़ लूँ।

(ग) वंशीधर को कर्त्तव्यपरायाणता के लिए हिरासत में ले लिया गया था।

भाषा-ज्ञान

1. (क) मानव आदमी (ख) सेवक नौकर
   (ग) संपत्ति रुपये (घ) सरिता नदिया
   (ङ) विनती निवेदन (च) आदर सम्मान
   (छ) नौकर दास (ज) कृपा उदारता
2. (क) बेईमानी (ख) मूर्खता (ग) अविश्वास (घ) दुर्जन
   (ङ) नकद (च) अन्याय
3. स्वयं करें।
4. स्वयं करें।
5. (क) ईश्वर प्रदत्त – ईश्वर का प्रदत्त
   अव्ययीभाव समास
   (ख) वंशीधर – वंशी धर
   अव्ययीभाव समास
   (ग) सुख संवाद – सुख और संवाद
   द्वंद्व समास
   (ङ) धन का ऐश्वर्य – तत्पुरूष समास
   (च) भलामनुस – भला है जो मानुष
   कर्मधारय समास
   (छ) हाथ की कड़ी – तत्पुरुष समास
   (ज) प्रतिदिन – प्रति का दिन

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-6

अभ्यास

1. लिखित

   (क) वह बच्चा स्वयं लेखक है और उसे याद रहा है कि वह हलवाई की दुकान पर गरम-गरम जलेबियाँ और समोसे खा रहा है। रविवार को रामबाग में गुब्बारे उड़ा रहा है। झूलों पर झूल रहा है। तितलियाँ पकड़ रहा है। इंद्रधनुष देखकर किलक रहा है। चिड़ियाघर में जीव-जन्तु देखकर चहक रहा है। पतंगे उड़ा रहा है। कंचे खेल रहा है। जुगनुओं के पीछे भाग रहा है। कबूतरों को दाना डाल रहा है। हर फूल और कली को सहला रहा है। कुत्ते-बिल्लियों को पुचकार रहा हैं। उसका पिता उसकी हर खुशी में उसका संगी है, दोस्त है, राज़दार है। रोज़ सुबह कैंपस में सैर करने जाना, छुट्टीवाले दिन बागवानी करना।

   (ख) दादाजी के अनुसार बुरे वे लोग होते हैं जो पेड़ काट देते हैं। जंगल उजाड़ देते हैं। नदी-नाले गंदे कर देते हैं। इनसानों और पशु-पक्षियों को मार डालते हैं। बुरे लोगों के विषय में दादाजी के विचार थे कि बुरे लोगों को नहीं, बुराई को मारना चाहिए।

   (ग) लेखक अपने बेटे को अपने परदादा के गाँव लेकर जाना चाहता था ताकि उसे गाँव के खेत खलिहान दिखाता। भूसे के ढेर दिखाता। गाँव के पास बहती नदी में वह भी मछलियाँ पकड़ता। वह भी गाँव के अमरूद, जामुन और इमली के पेड़ों पर चढ़कर उनके फल खाता। बेटे को गाँव की बोली सिखाता। उसे गाँव के बड़ें-बूढ़ों से मिलवाता। उसे गाँव के मंदिर में ले जाता। दह भी गाँव के कुँए पर नहाता।

   (घ) पाठ में तीन पीढ़ियों का उल्लेख है। लेखक तीसरी पीढ़ी से है।

   (ङ) गाँव व बड़े-बुढ़ों से बच्चों का मिलवाना वह अपनी पुरानी पीढ़ियों से अवगत कराना।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*)

3. (क) पिताजी लेखक को अपने दादाजी के पास छोड़ गए थे।

   (ख) परदादा जलतरंग बजाया करते थे।

   (ग) लेखक का बेटा पूछ रहा है कि 'जलतरंग को इंग्लिश में क्या कहते हैं? गाँव कैसा होता हैं? गिल्ली-डंडे को इंग्लिश में क्या कहते हैं?

4. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) पुत्र (ख) खुशी (ग) साथी (घ) अवकाश
   (ङ) इच्छा (च) मूर्ख (छ) नज़र
2. (क) जीव-जंतु (ख) नदी-नालें (ग) चलते-फिरते (घ) खेल-कूद
   (ङ) पशु-पक्षी (च) आता-जाता (छ) गिल्ली-डंडा (ज) भाग-दौड़
   (झ) बड़े-बूढ़ों
3. (क) मैं आपने मुझे (ख) कुछ
   (ग) वे (घ) वह
   (ङ) ये मेरी (च) जो-जो वही
   (छ) मैं
4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-7

अभ्यास

1. लिखित
   (क) 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' से बालिका का अभिप्राय है कि वे ऐसी बड़ी नहीं होना चाहती जिसमें उसे अपनी माँ का प्यार-दुलार न मिले।
   (ख) बालिका माँ के आँचल में छिपकर निर्भय रह सकेगी।
2. (क) (*iii*) (ख) (*i*) (ग) (*i*)
3. (क) (*iv*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*) (घ) (*iii*)
4. (क) पंक्तियों से आशय कि माँ हमें पाल-पोषकर बड़ा करती है और हमारे पीछे चलती है क्यों नहीं माँ हाथ पकड़कर दिन-रात हमारे साथ चलती है।
   (ख) माँ हमें अपने हाथों से खिलाती, मुख धुलाती, धूल पोंछती तथा हमें तैयार करते समय गाना गाती है। वह हमारे हाथ में खिलौना देकर हमें परियों की कहानियाँ नहीं सुनाती है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) पताका झंडा ध्वजा
   (ख) चंद्रमा चंदा चाँद
   (ग) अम्मा माता अंबा
   (घ) कर हस्त
2. (क) डरपोक (ख) दुखद (ग) अक्सर (घ) दिन
3. (क) कीमती (ख) रंगीला (ग) घराना (घ) रोगी
   (ङ) पहाड़ी (च) गंभीर
4. (क) उच्च (ख) दुग्ध (ग) स्वप्न (घ) नेत्र
   (ङ) दिवस (च) अग्नि

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-8

अभ्यास

1. लिखित
   (क) विक्रमादित्य के सम्मुख लाया गया अपराधी को इस तथ्य का पता होता था कि विक्रमादित्य की आँखें उसके अपराध को पहचान ही लेंगी।
   (ख टीले पर बैठे लड़के की भाव-भंगिमा न्यायधीश के जैसे थी।
   (ग) श्रमिकों ने टीला खोदकर विक्रमादित्य का सिंहासन पाया।
   (घ) राजा ने अनुमान लगाया कि वह लड़का अवश्य ही विक्रमादित्य के न्याय-सिंहासन पर बैठा होगा।
   (ङ) सिंहासन नगर में लाए जाने पर राजा ने घोषणा की कि चौथे दिन वह सार्वजनिक रूप से सिंहासन पर बैठेगा।
   (च) देवदूत ने राजा को प्रश्न किए की क्या तुम स्वयं को विक्रमादित्य के सिंहासन पर बैठने के योग्य समझते हो? क्या तुमने ऐसे राज्यों पर शासन करने की इच्छा नहीं की जो तुम्हारे नहीं थे? इन प्रश्नों के उत्तर के प्रति राजा चुप था क्योंकि वह जानता था कि वह उसके योग्य नहीं है।

2. (क) (*ii*) (ख) (*i*) (ग) (*iii*) (घ) (*ii*)

3. (क) महत्वपूर्ण (ख) कला और संस्कृति (ग) मैदान
(घ) राजा (ङ) शांत

भाषा-ज्ञान

1. (क) नभ (ख) कुशलता (ग) नृप (घ) धरती
(ङ) पेड़ (च) अद्‌भुत

2. (क) विक्रमादित्य (ख) पुरोहित (ग) प्रतिभा (घ) न्यायाधीश
(ङ) मुखमुद्रा (च) संस्कृति

3. (क) निर्दोष (ख) अस्थिर (ग) अस्वीकार (घ) अन्याय
(ङ) अशांत (च) अयोग्य

4. स्वयं करें।

5. भारत + वर्ष शासन + काल
आत्म + विश्वास प्राचीन + काल
मुख + मुद्रा

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-9

अभ्यास

1. लिखित
   (क) सुल्तान को पाने के लिए खड्‌गसिंह अपाहिज का रूप बनाकर एक वृक्ष नीचे पड़ा कराहने लगा।
   (ख) बाबा ने खड्‌गसिंह से प्रार्थना की कि इस घटना को किसी सामने प्रकट न करना।
   (ग) इस कहानी में बाबा भारती की जीत और खड्‌गसिंह की हार हुई।
   (घ) बाबा भारती दयालु, विनम्र, प्रेममय एवं दीन-दुखियों की सेवा करने वाले थे।

2. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*ii*)

3. (क) इस पंक्ति के माध्यम से कवि सुल्तान के बारे में बताता है कि वह ऐसे चलता है मानो बादलों में घटा को देखकर मोर नाचने लगता है।

(ख) जब सुल्तान ने बाबा भारती का घोड़ा ले लिया तो बाबा भारती के मुख से डर आश्चर्य और निराशा से लिप्त चींख निकल गई।

(ग) बाबा भारती जैसा मनुष्य, मनुष्य नहीं अपितु भगवान के समान है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) भय (ख) गुण (ग) छाया (घ) अश्व
   (ङ) कृषक (च) विकलांग
2. (क) स्वीकार (ख) धैर्य (ग) क्रूरता (घ) दया
   (ङ) अप्रसिद्ध
3. (क) अकल्पनीय (ख) अनुपम (ग) अविश्वसनीय (घ) असमान
   (ङ) अक्षम्य
4. (क) कोमलतर कोमलतम (ख) विशालतर विशालतम
   (ग) कठिनतर कठिनतम (घ) श्रेष्ठतर श्रेष्ठतम
   (ङ) उच्चतर उच्चतम (च) न्यूनतर न्यूनतम
   (छ) सरलतर सरलतम (ज) चतुरतर चतुरतम
5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-10

अभ्यास

1. लिखित

   (क) लूसी को सभी बहुत प्रेम करते थे। वे लोग लूसी के गले में सामान की सूची और एक थैला बाँध देते थे। दुकानदार लूसी के गले से रूपये और सूची आदि लेने के उपरांत सामान का गठरी उसके गले में बांध देता था जिसे लूसी सकुशलता पूर्वक ले आती थी।

   (ख) नीलू के मातृहीन होने पर लेखिका ने दुग्ध-चूर्ण से दूध बनाकर उसे पिलाती व कोमल ऊन और अधबुने स्वेटर की डलिया में उसे रख दिया।

(ग) नीलू फेंककर दी गई खाद्य सामग्री इसलिए नहीं खाता था क्योंकि वह उसके स्वभाव की विशेषता थी।

(घ) नीलू के स्वभाव में विशेषता थी कि वह ऊँची दीवार को वह एक छलाँग में पार कर लेता था। रात्रि में उसका एक बार भौंकना भी वातावरण में स्तब्धता को कंपित कर देता था। और सबसे विशेष बात कि वह अवज्ञा से फेंकी गई खाद्य सामग्री नहीं खाता था।

(ङ) खरगोश की रक्षा करने से उसे सर्दी लगने से न्यूमोनिया हो गया और कई दिनों तक इंजेक्शन दवा आदि का कष्ट झेलना पड़ा।

(च) नीलू लेखिका के कमरे के बाहर तब तक खड़ा रहता था जब तक लेखिका स्वयं न जाती थी।

2. (क) (*i*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*) (घ) (*ii*)

3. (क) नीलू हमेशा घर के बरामदे में बैठता था।

(ख) नीलू दरवाज़े के दरवाज़े पर बैठ जाने पर लेखिका को परिचित के आने की सूचना मिलती थी।

(ग) लेखिका के "आ रही हूँ।" कहने पर नीलू अपने निश्चित स्थान पर चला जाता था।

(घ) बरामदे की सीढ़ी पर वह बैठकर इंतजार करता था।

भाषा-ज्ञान

1. (क) वस्त्र (ख) बिजली (ग) अश्वेत (घ) साँझ
   (ङ) कुकुर (च) दूध
2. (क) अपूर्ण (ख) अहिंसक (ग) पहला (घ) शत्रुता
   (ङ) उत्पत्ति (च) स्थिर
3. स्वयं करें।
4. (क) खाद्य सामग्री (ख) बर्फीला (ग) घ्राणशक्ति (घ) सुनहरा
   (ङ) चित्रमय (च) मूर्तिमय (छ) सिल्वर (ज) मित्रमय
5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-11

अभ्यास

1. लिखित

   (क) भगत सिंह ने अपने पहले पत्र में 'बापू जी' अपने पिता को कहा है।

   (ख) दूसरे पत्र में भगत सिंह ने 'ड्रामे' का नाम पुलिस की हवालात से दिल्ली जेल में शुरू होने वाले मुकादमे को कहा है।

   (ग) माँ को जेल में न लाने के लिए भगत सिंह ने अपने पिता को इसलिए मना किया था क्योंकि वे रो देती जिससे भगत सिंह को भी तकलीफ जरूर होती।

   (घ) भगत सिंह ने अपने पिता से गीता रहस्य, नेपोलियन की मोटी सवानह और अंग्रेजी कुछ नॉवेल मँगवाई।

   (ङ) भगत सिंह को देश अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिए अपना घर छोड़ने के लिए मज़बूर होना पड़ा।

   (च) भगतसिंह फाँसी की प्रतीक्षा कर रहे थे।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*iii*) (घ) (*ii*)
   (ङ) (*ii*)

3. (क) ख़ाहिशात (ख) यज्ञोपवीत (ग) प्रतीक्षा (घ) ड्रामा
   (ङ) नॉवेल

4. (क) भगत सिंह पिताजी (ख) भगत सिंह पिताजी
   (ग) भगत सिंह पिताजी

भाषा-ज्ञान

1. (क) साधारण (ख) बुरा (ग) आराम (घ) मौत
   (ङ) बेफिक्र (च) अनइच्छा (छ) शुरू (ज) पराया

2. (क) तकलीफ़ें (ख) पुस्तक (ग) मशविरे (घ) हालातों
   (ङ) कोशिशें (च) उसूलों (छ) उम्मीदें (झ) वकीलों

3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-12

अभ्यास

1. लिखित

   (क) एफ़िम और एलिशा घनिष्ठ मित्र थे। एफ़िम स्वभाव से गंभीर और विचारवान व्यक्ति था जबकि एलिशा दयालु और प्रसन्नचित व्यक्ति था।

   (ख) तीर्थ़यात्रा पर निकलने से पहले उन दोनों वृद्धों ने अपनी आवश्यकता अनुसार धन लिया।

   (ग) मार्ग में दोनों एक झोपड़ी में रूके वहाँ उन्होंने एक स्त्री भूमि पर मरणासन्न अवस्था में पड़ी थी और एक बच्चा भूख से मर रहा था। ये सब देखने के बाद एलिशा वही उस झोपड़ी में उन लोगों की देखभाल के लिए रूक गया और एफ़िम यरुशलम की यात्रा पर निकल गया।

   (घ) एलिशा ने अपना थैला खोला और उसमें से रोटी का एक टुकड़ा लड़के की ओर बढ़ाया। उस स्त्री और पुरुष को भी उसने दो-दो रोटियाँ खाने को दीं। फिर वह कुएँ से पानी भरकर लाया और उन्हें पिलाया।

   (ङ) एफ़िम ने गिरजाघर के भीतरी भाग में उसने एक वृद्ध पुरुष की झलक देखी जो बिल्कुल एलिशा की तरह था।

   (च) बूढ़ी स्त्री ने एलिशा के बारे में बताया कि "मैं नहीं जानती वह मनुष्य था या देवदूत। वह हम सबसे प्रेम करता था, हम पर दया करता था और यहाँ से बिना अपना नाम बताए हुए चला गया। परमात्मा उसका भला करे। यदि वह न आया होता तो हम सब मर गए होते।"

   (छ) एफ़िम ने सच्ची तीर्थयात्रा का अर्थ समझा कि मानव-सेवा ही सच्ची ईश्वर-सेवा है और दीन-दुखियों की सहायता ही सच्ची तीर्थयात्रा है।

2. (क) (*ii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*) (घ) (*i*)
   (ङ) (*iii*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) युवक (ख) क्रूर (ग) सुगंध (घ) गंदगी
   (ङ) आरंभ (च) राक्षस

2. स्वयं करें।

3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-13

अभ्यास

1. लिखित

   (क) लेखक के अनुसार हँसमुख वैद्य सुयोग्य है।

   (ख) हँसी को उत्तम औषधि इसलिए माना गया है क्योंकि यह शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शाक्ति बढ़ाती है। रक्त का संचालन और पसीना लाती है।

   (ग) लेखक ने हँसने-हँसाने वालों को धन्य इसलिए माना है क्योंकि उनकी बातों से शरीर में रक्त आनंदित होकर नाच उठता है। हँसी मन में नित्य नई उमंगें पैदा करती है। हँसी चिंता को दूर भगाती है और कष्टों को झेलने में सहायता करती है।

   (घ) डॉक्टर ने कौए के घोंसले की कहानी इसलिए सुनाई ताकि बीमार व्यक्ति हँसे और अच्छा हो जाए।

   (ङ) कारलाइल के अनुसार जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को 'हँसाओ, तुम से कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख कम होगा। एक निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाने से वह एक प्यारा बालक जैसा बन जाएगा।

2. (क) (*i*) (ख) (*ii*) (ग) (*ii*) (घ) (*i*)

3. (क) हँसी (ख) हँसोगे (ग) आनंदरूपी (घ) आनंद

   (ङ) सबसे

भाषा-ज्ञान

1. (क) मानव (ख) प्रिय (ग) जीवन (घ) हमेशा

   (ङ) प्यारी (च) खुशी

2. (क) मूर्ख (ख) रोना (ग) भीतरी (घ) व्यर्थ
   (ङ) दुख (च) पशु (छ) उदास (ज) मृत्यु
3. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग
   (ङ) स्त्रीलिंग (च) पुल्लिंग
4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-14

अभ्यास

1. लिखित
   (क) रास्ते की विघ्न-बाधाओं की देखकर कर्मवीर घबराते नहीं है।
   (ख) समय के बारे में कर्मवीर का दृष्टिकोण है कि वे कभी समय को यूही व्यर्थ नहीं गंवाते हैं।
   (ग) आज विश्व में जिन देशों ने उन्नति की हैं उनके मूल में बुद्धि, विद्या, धन और वैभव हैं।
   (घ) स्वयं करें।
2. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*iii*)
3. स्वयं करें।
4. (क) इस काव्यांश में कर्मवीर की ओर संकेत है।
   (ख) आज विश्व के अन्य देश विकसित और सम्पन्न हैं।
   (ग) उन देशों की तरक्की में उस देश के सपूतों का ही हाथ है।
   (घ) भारत की उन्नति तब होगी जब सभी मिलकर आगे आएँगे।

भाषा-ज्ञान

1. (क) सरल (ख) कायर (ग) कपूत (घ) सुख
   (ङ) शांत (च) निराशा
2. स्वयं करें।
3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-15

अभ्यास

1. लिखित

   (क) कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।

   (ख) सूर्य से हमें ऊर्जा, प्रकाश, ऊष्मा, शक्ति या चेतना मिलती है।

   (ग) पेड़-पौधे सूर्य के प्रकाश द्वारा ही प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना बनाते हैं। जल-चक्र में भी सूर्य की अहम भूमिका है। सूर्य के द्वारा नदियों, झीलों, तालाबों आदि का जल भाप बनकर ऊपर उड़ जाता है और वर्षा होती है जिससे जल-चक्र चलता रहता है।

   (घ) स्वयं करें।

   (ङ) नट मंदिर का निर्माण भगवान सूर्य के प्रति अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए नृत्य, गायन और वादन के लिए किया गया जबकि भोग मंदिर का निर्माण भगवान सूर्य का भोग तैयार करने के लिए किया गया।

   (च) यहाँ सूर्य की तीन मूर्तियाँ इस प्रकार रखी हुई है कि एक प्रातः कालीन प्रकाश, दूसरी पर दोपहर के सूर्य की किरणें तथा तीसरी पर सूर्यास्त की रोशनी पड़ती है।

   (छ) महाकवि टैगोर ने कहा–"इन पत्थरों की भाषा मनुष्य की भाषा को कहीं पीछे छोड़ देती है।"

2. (क) (*ii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*)

3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

भाषा-ज्ञान

1. (क) वृक्ष (ख) रात्रि (ग) जीत (घ) ध्वज
   (ङ) किनारा (च) पाषाण

2. (क) साधारण (ख) सूर्योस्त (ग) प्रस्थान (घ) अस्तुति
   (ङ) बदसूरत (च) ध्वस्त

3. (क) राज + वंश (ख) सूर्य + अस्त (ग) द्रुत + गामी (घ) गंधर्व + लोक
   (ङ) भग्ना + वेश (च) कोण + आर्क
4. स्वयं करें।
5. स्वयं करें।
6. (क) खटपट (ख) डबडबा (ग) टिक-टिक (घ) टर्र-टर्र
   (ङ) बक-बक (च) भिनभिना

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-16

अभ्यास

1. लिखित
   (क) प्राचीन ओलंपिक खेलों का जन्मदाता हरक्यूलिस था। यह ईसा से लगभग 1200 वर्ष पूर्व की बात है जब यूनान के ओलंपिक नामक स्थान में कुछ खेल खेले जाते थे। उन दिनों ओलपिंक खेलों के दौरान सभी सभी युद्ध, स्थगित कर दिए जाते थे। किन्हीं कारणों से ओलंपिक खेलों की शृंखला टूट गई, लेकिन हज़ारों वर्ष बाद कठिन परिश्रम और लगन के बल पर बैरन पियरे द कुबर्तिन ने इसे पुनरूज्जीवित किया।
   (ख) बैरन पियरे फ्रांस के एक शिक्षाशास्त्री थे। वे युवा कल्याण कार्यों में रूचि रखते थे। उनका कहना था कि शारीरिक और मानसिक विकास एक सिक्के के दो पहलू हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने एकविल संस्था की स्थापना की।
   (ग) कुबर्तिन योजना की सभी देशों के शौकिया खिलाड़ी एक स्थान पर एकत्र हो तथा विभिन्न खेल-प्रतियोगिताओं में भाग लें। कुबर्तिन ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को यह बात समझाई और योजना पूर्ण रूप से सफल हुई।
   (घ) ओलंपिक ध्वज की कल्पना भी कुबर्तिन ने की है। इसका प्रत्येक छल्ला एक महद्वीप का प्रतीक है। जैसे–काला छल्लन, अफ्रीका का, लाल छल्ला अमेरिका का पीला एशिया का, हरा ऑस्ट्रेलिया का और नीला यूरोप का प्रतीक है।
   (च) 5 अगस्त, 2016 को भव्य उद्घाटन समारोह के साथ रियो डी जनेरियो (ब्राजील) में शुरु हुए 31 वें ओलंपिक खेल का शुंभकर विनिसियम था। इस खेल में 207 देशों के 11,237 खिलाड़ियों ने भाग लिया। भारत की ओर से

ओलंपिक के लिए 119 खिलाड़ियों का दल गया था। मलि खिलाड़ियों में पी. वी. सिंधू का नाम रोशन किया। महिला कुश्ती में साक्षी मलिक ने ब्रॉन्ज मेंडल जीता।

(छ) रियो ओलंपिक में भारत कुल 6 पदक के साथ 55 वे स्थान पर था। कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय पहलवान सुशील कुमार ने रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया था। बैडमिंटन की एकल स्पर्धा में कास्य पदक जीतकर साइना नेहवाल ने इसी ओलंपिक ने इसी ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*) (घ) (*ii*)
   (ङ) (*i*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) शत्रुता (ख) मानसिक (ग) शांति (घ) नवीन
   (ङ) मृत (च) बदसूरत
2. (क) आयोजन + इत (ख) शरीर + इक
   (ग) महत्त्व + पूर्ण (घ) तैर + आक
   (ङ) भारत + ईय (च) मानस + इक
3. (क) महर्षि (ख) सर्वोच्च (ग) अधिकांश (घ) हर्षोल्लास
   (ङ) योगाभ्यास (च) वीरोचित (छ) उपर्युक्त (ज) गायक
   (झ) महाऐश्वर्य (ञ) भौं
4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-17

अभ्यास

1. लिखित
   (क) बेबी हाल्दार की कहानी न्यूयार्क टाइम्स, इंटरनेशनल हेराल्ड, ट्रिब्यून और क्रिश्चन मॉनिटर में छपी।

(ख) बेबी हाल्दार का जीवन बहुत कठिनाई से बीता। बेबी ने बचपन में अपनी माँ और छोटे भाई-बहिनों सहित स्वयं को हर छोटी-बड़ी बात पिता से पिटते देखा था। पिता माँ को थी बात-बे-बात प्रताड़ित किया करते थे। जब बेबी पाँच साल की थी तो उनकी माँ घर छोड़कर हमेशा के लिए चली गई। पिता ने दूसरी शादी कर ली और बेबी की शादी भी कम उम्र में उनसे बहुत बड़े व्यक्ति के साथ कर दी गई।

(ग) घर में काम करने के बदले बेबी हाल्दार मालिकों से दो वक्त की रोटी और रहने के आसरे की अपेक्षा करती थी।

(घ) प्रो. प्रबोध के घर में काम करते हुए हाल्दार ने पढ़ना-लिखना सीखा विभिन्न प्रकार की बांग्ला, किताबें पढ़ी व अपने जीवन की कहानी लिखनी शुरु की।

(ङ) लेखिका ने बेबी हाल्दार को सिंड्रेला इसलिए कहा क्योंकि बेबी ने अनेक कठिनाइयों का सामना हिम्मत के साथ किया और अपने जीवन को उन्नतशील बनाने के लिए प्रयत्नशील है। जिसकी जिंदगी प्रबोध जैसे महान व्यक्ति ने बदल दी।

2. (क) (*ii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*)

3. (क) प्रो. कुमार ने बेबी की रचना को पढ़कर उसे छपवाने का बीड़ा उठाया।

(ख) बेबी ने अपनी किताब का नाम 'आलो अंधारी इसलिए रखा था, क्योंकि उनकी यादों में अभाव और प्रताड़ना भरी अनेक रातें ही जमा थी।

(ग) बेबी की पुस्तक के बारे में दुनिया तब जाना जब इसका अंग्रेजी अनुवाद पेंग्विन से 'अ लाइफलैस ऑर्डिनरी' के नाम प्रकाशित होकर हुआ।

भाषा-ज्ञान

1. (क) प्रश्नवाचक (ख) विधानवाचक (ग) प्रश्नवाचक (घ) निषेधवाचक
(ङ) विधानवाचक

2. स्वयं करें।

3. (क) धनराजन (ख) बुद्धिमान (ग) इतिहास (घ) संपादन

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-18

अभ्यास

1. लिखित

   (क) उदयसिंह स्वभाव से चंचल और मनमौज़ी थे।

   (ख) पन्ना उदयसिंह के लिए इसलिए चिंता करती थी क्योंकि वह महाराणा सांगा के वंश के एक वही उजाते थे।

   (ग) पन्ना धाय ने कुँवर उदयसिंह की रक्षा अपने पुत्र के प्राण बलिदान कर के की और पन्ना अपने उद्देश्य में सफल हुई।

2. (क) (*ii*) (ख) (*i*) (ग) (*iii*)

3. स्वयं करें।

4. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) जीभ (ख) नाच (ग) रात (घ) काँटे

   (ङ) मोर (च) नींद

2. (क) विद्यालय (ख) सिंहासन (ग) मुनिश (घ) वधोत्सव

   (ङ) पर्वतारोहण (च) शिवालय

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-19

अभ्यास

1. लिखित

   (क) निंदा इसलिए नहीं करनी चाहिए क्योंकि निंदा करने से हम स्वयं को ही कष्ट देती हैं। अपने हृदय और मन को कलुषित करते हैं।

   (ख) व्यक्ति को गर्व (घमंड) इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि घमंडी व्यक्ति को सदैव बाद में पछताना पड़ता है और सभी जगह उसकी निंदा होती है।

(ग) 'सिर दे' से कबीर का अभिप्राय है कि प्रेम के मिलने पर सिर (शीश) को झुका देना।

(घ) गुरु तो कुम्हार के समान है जो कि मिट्टी के बर्तन को ठोक-पीटकर आकार देता है।

(ङ) प्रेम को 'गूँगे केरी सरकरा' इसलिए कहा गया है क्योंकि इसे बोलने के लिए शब्दों की आवश्यकता नहीं होती बल्कि ये तो बिना कुछ कहे भी प्रकट हो जाती है।

(च) 'सुमिरन' का अर्थ भजन करना है। सच्चा सुमिरन तब होगा जब व्यक्ति सुख में भी करें।

2. (क) निम्नलिखित पंक्तियों से भाव है कि रात तो हमने सोकर गँवा दी और दिन खाना खाकर बिता दिया। यह जीवन नहीं है। हमारा जीवन तो अनमोल है जो कि तृत्यु के पश्चात केवल अपना रूप बदलता है।

(ख) प्रेम न तो खेतों में उगता है और न ही बाजारो में बिकता है।

(ग) सात समुद्रों को मिलाकर भी यदि स्याही बना ली जाए तब भी गुरु के गुणों को लिखने के लिए कम है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) शक्कर, चीनी (ख) ठोक-पीटकर (ग) पकड़े हुए (घ) मन
   (ङ) पीड़ा (च) सहारा (छ) चारों दिशा (ज) हाथ
   (झ) कागज (ञ) कोई (ट) अनमोल (ठ) और
   (ड) खेत (ढ) ज्यादा (ण) निंदा करना
2. (क) खुशी (ख) परमात्मा (ग) नृप (घ) स्नेह
   (ङ) समुंदर (च) सूर्य (छ) जल (ज) नयन
   (झ) सरिता (ञ) अग्नि
3. (क) झूठ (ख) रोना (ग) मृत्यु (घ) कड़वा
   (ङ) पंडिताइन (च) रात्रि (छ) आकाश (ज) दिन
   (झ) झूठ

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-20

अभ्यास

1. लिखित

   (क) सूर्य तारा होने पर भी बहुत प्रकाशवन होता है क्योंकि यह सबसे निकट का तारा है।

   (ख) युनानी निरीक्षकों ने ग्रहों को 'प्लेनेट' कहा क्योंकि उन्हें इनकी गति में अनियमितता दिखाई दी। तारा-पटल पर या सूर्य की दिशा से तुलना करने पर ग्रह कभी आगे कभी पीछे जाते दिखाई देते हैं।

   (ग) योहान केप्लर ने सिद्ध किया कि ग्रह मनमाने नहीं भटकते, बल्कि वे नियमित कक्षाओं में सूर्य के चारों और घूमते हैं।

   (ङ) ध्रव तारे की अटलता के पीछे लोककथा है कि राजा उत्तानपाद की दो रानियाँ थी– सुनीति और सुरुचि, जिनमें सुरुचि उन्हें अधिक प्रिय थी। एक दिन सुरुचि के पुत्र उत्तम को अपने पिता की गोंद में बैठे देखकर सुनीति के पुत्र ने भी वहाँ बैठना चाहा, परंतु सुरुचि ने उसे वहाँ से जबरदस्ती हटा दिया। इस घटना से क्षुब्ध होकर बालक ध्रुव ने भगवान शंकर की कड़ी तपस्या की। आखिर भगवान प्रसन्न होकर बोले, "बेटा वर माँगो।" तो ध्रुव ने स्थान की माँग की जहाँ से उसे हटाया न जा सके। वह ध्रुव आज भी आकाश में अटल दिखाई पड़ता है।

   (च) आर्यभट्ट ने तारों से संबंधित धारणा कि पृथ्वी के चारों ओर ब्रह्मांड एक गेंद के रूप में फैला हुआ है और यह गेंद एक धुरी पर घूमती है का खंडन किया क्योंकि ब्रह्मांड के तारे स्थिर हैं और हमारी पृथ्वी ही अपनी उत्तर-दक्षिण धुरी पर घूमती है।

   (छ) फलित ज्योतिष वे होते हैं जो ग्रहों को देखकर उनकी स्थिति का अंदाजा लगा लेते हैं। ग्रह इधर-उधर भटकते हैं। इस धारणा न फलित ज्योतिष को बढ़ावा दिया।

   (ज) स्वयं करें।

2. (क) (*i*) (ख) (*i*) (ग) (*i*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) उपेक्षा + इत (ख) पश्चिम + ई

   (ग) प्रकृति + इक (घ) प्रकाश + वान

   (ङ) घुम + अक्कड़

2. स्वयं करें।

3. (क) शत + अब्दी
(ख) धर्म + अर्थ
(ग) सूर्य + अस्त
(घ) स्व + इच्छा
(ङ) गोल + आकार
(च) गुरुत्व + आकर्षण
(छ) अधिक + अंश
(ज) विद्या + आलय

4. स्वयं करें।

5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ–21

अभ्यास

1. लिखित

(क) पानी के बिना कृषि संभव नहीं हैं। बीज के अंकुरण से लेकर पौधों में फल लगने तथा उनके पकने की अवस्था तक नमी की आवश्यकता होती है। पौधों की समुचित वृद्धि के लिए उर्वरक का उपयोग करते हैं। ये उर्वरक पानी में घुलकर जड़ों द्वारा अवशोषित किए जाते हैं तथा पौधे के अन्य भागों ते पहुँचाए जाते हैं।

(ख) जल में अनेक पदार्थ घुल जाते हैं; जैसे–चीनी, नमक आदि। पानी ऐसा द्रव है जिसमें किसी भी अन्य द्रव की अपेक्षा पदार्थों को घोलने की क्षमता बहुत अधिक होती है। इस प्रकार अधिकतर पदार्थों को कुछ न कुछ मात्रा पानी में घुल सकती है। भोजन के उसी भाग का हमारे शरीर में पाचन होता है, जो पानी में घुलनशील होता है।

(ग) कस्बों और शहरों में पानी के लिए नदियों, तालाबों अथवा झरनों के पानी पर ही निर्भर रहना पड़ता है। इस जल में अनेक अशुद्धियाँ मिली होती है। जबकि पेयजल शुद्ध होना चाहिए।

(घ) जल का शुद्धिकरण करने के लिए निम्नलिखित के प्रयोग किया जाता है–

(1) पानी की सतह पर अल्ट्रावायलेट प्रकाश डालकर।

(2) पानी में द्रप क्लोरीन अथवा ब्लीचिंग पाउडर डालकर।

(3) पानी में अमोनिया तथा क्लोरिन गैस प्रवाहित करके।

(4) पानी में ओजोन गैस प्रवाहित करके।

(ङ) बढ़ता और औद्योगिकरण तथा आम जनता की अनभिज्ञता एवं लापरवाही प्राकृतिक जल को दूषित बनाने के कारण हैं।

इसके साथ ही जल का प्रदूषण कई प्रकार का होता है। खनिज पदार्थों द्वारा वनस्पतियों द्वारा एवं वायुमंडलीय विकार द्वारा भी जल प्रदूषित होता है।

(च) जल प्रदूषण को रोकने के लिए निम्नलिखित बातें आवश्यक हैं–

(1) पीने के उपयोग में लाए जानेवाले तालाबों एवं नदियों का जल साफ रखा जाए।

(2) नगरों के गंदे नाले नदी में न मिलाए जाए। गंदे पानी को बस्ती से दूर किसी जगह इकट्ठा करके उसमें एकत्र गंदगी से खाद बनाई जाए तथा साफ़ पानी को सिंचाई के काम में लाया जाए।

(3) कल-करखानों के कचरे को नदियों में न डाला जाए।

(4) शवों तथा जानवरों की लाशें नदी में न बहाई जाए।

(5) किसी भी प्रकार का कूड़ा-कचरा नदियों में न बहाया जाए।

(छ) प्राणियों द्वारा दूषित जल सबसे अधिक घातक होता है क्योंकि स्वस्थ एवं रोगी सब तरह के स्त्री पुरुष, बच्चे आदि तालाबों तथा नदियों के पानी में नहाते हैं तथा कपड़े धोते हैं। जिससे गंदगी पानी में मिल जाती है।

2. (क) (*iii*) (ख) (*i*) (ग) (*iii*) (घ) (*iii*)
(ङ) (*i*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) कष्ट (ख) लाभदायक (ग) अप्राकृतिक (घ) अल्पसंख्यक
(ङ) अनुपस्थित (च) सरल

2. (क) प्राकृतिक (ख) सम्मानित (ग) दैनिक (घ) इच्छित
(ङ) भौतिक (च) दूषित (छ) पारंपरिक (ज) प्रवाहित

3. (क) अव + शोषित (ख) अ + ज्ञानता
(ग) सह + भागिता (घ) अ + योग्यता
(ङ) उप + योगी (च) अनु + मानित

4. स्वयं करें।

5. (क) ठंडा और गरम (ख) चूना और पत्थर
   (ग) सड़ना और गलना (घ) छोटा और बड़ा
   (ङ) देश और विदेश (च) पढ़ना और लिखना

6. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ–22

अभ्यास

1. लिखित
   (क) ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप तापमान तेजी से बढ़ रहा है और ग्लेशियर और पहाड़ों पर जमी बर्फ पिघल रही है।
   (ख) भारत में मात्र 1.66 प्रतिशत ही ऐसे जंगल बचे हैं, जिन्हें घने जंगलों की श्रेणी में रखा जा सकता है।
   (ग) पर्यावरणविदों की चिंता का विषय गलोबल वार्मिंग का प्रभाव बढ़ता रहा तो धरती के वायुमंडल पर कैसे प्रभाव पड़ेगा?
   (घ) 'ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ग्लेशियरों ये जमी बर्फ धीरे–धीरे पिघल रही है।
   (ङ) ग्लेशियर दुनिया का 75 प्रतिशत जल अपने भीतर रखते हैं, इसलिए समुद्र का जल–स्तर बढ़ने से रोकते हैं। इनको छूकर बहने वाली हवा तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होती है।
   (च) तापमान वृद्धि का सबसे बड़ा कारण ग्लोबल वार्मिंग और जंगलों की कटाई है।
   (छ) ग्लेशियरों और पहाड़ों की बर्फ पिघलने के कारण पृथ्वी का दाब कम होगा। इसकी वजह से पहाड़ सिकुड़ने लगेंगे, उनके आकार में परिवर्तन आ जाएगा।

2. (क) (*ii*) (ख) (*i*) (ग) (*i*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) अनुपस्थित (ख) अनियंत्रित (ग) सकारात्मक (घ) अस्वच्छ
   (ङ) कमजोर (च) कमी
2. स्वयं करे।
3. (क) अरे! तुम कब आए?
   (ख) आओ हम मिलकर पृथ्वी को बचाएँ।
   (ग) क्या ग्लेशियर की बर्फ पिघलेगी?
   (घ) पौधों की हरियाली तहसन हस हो जाएगी।
4. स्वयं करें।
5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-23

अभ्यास

1. लिखित
   (क) समाचार माध्यम कुछ लोगों के लिए नहीं बल्कि हजारों, लाखों, पाठकों, श्रोताओं और दर्शकों के लिए काम करते हैं।
   (ख) समाचार में निम्नलिखित तत्त्व होते हैं–नवीनता, निकटता, प्रभाव, जनरूचि, टकराव व संघर्ष, उपयोगी जानकारियाँ, अनोखापन और पाठकवर्ग।
   (ग) समाचार लेखन शैली को 'उल्टा पिरामिड शैली' कहते हैं। इस शैली में सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे ऊपर रखा जाता है।
   (घ) छः प्रकार हैं–क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे?
   समाचार का मुखड़ा (इंट्रो) यानी शुरुआती पंक्तियों में पहले चार ककार आते हैं तथा समापन के पहले शेष दो ककारों का जवाब दिया जाता है।
   (ङ) पत्रकार अपने पाठकों तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों को अपनाते हैं। पत्रकार तीन तरह के होते हैं–पूर्णकालिक, अंशकालिक और फ्रीलांसर।

2. (क) (*iii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*)

3. (क) समाचार-पत्र में संपादक की भूमिका द्वारपाल के समान होती है।

   (ख) संपादक अपनी भूमिका का निर्वाह मुख्य संपादक, सहायक संपादक, उपसंपादक आदि मिलकर निभाते हैं।

   (ग) संपादन का अर्थ है—किसी लिखित सामग्री को उसकी अशुद्धियाँ दूर करके उसे पठनीय बनाना।

   (घ) उपसंपादक अपने रिपोर्टर की खबर को ध्यानपूर्वक पढ़ता है और उसकी भाषा-शैली, व्याकरण, वर्तनी तथा तथ्यात्मक अशुद्धियों को दूर करता है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) दाता (ख) ता (ग) इक (घ) इत
   (ङ) इक (च) इत (छ) पन (ज) ता
   (झ) अक (ञ) ता

2. (क) दर्शक (ख) संवाददाता (ग) संपादक (घ) रिपोर्टर
   (ङ) उपसंपादक

3. स्वयं करें।

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।